



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 74] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 10, 2016/फाल्गुन 20, 1937
 No. 74] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 10, 2016/ PHALGUNA 20, 1937

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 2016

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीनी ताइपेई, मलेशिया, थाईलैंड और विएतनाम मूल के अथवा वहां से निर्यातित मापन टेप्स के आयातों पर लगाया जाने वाला पाटन-रोधी शुल्क ।

एफ संख्या 14/21/2014-डीजीएडी : समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) को भारत में मापन टेप्स (जिसे आगे संबद्ध वस्तुएं अथवा विचाराधीन उत्पाद कहा गया है) का उत्पादन करने वाले घरेलू उत्पादक की ओर से मेसर्स एफएमआई लिमिटेड [जिसे आगे याचिकादाता कहा गया है] से एक लिखित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि चीनी ताइपेई, मलेशिया, थाईलैंड और विएतनाम (जिन्हें आगे “संबद्ध देश” कहा गया है) मूल की अथवा वहां से संबद्ध वस्तुओं का पाटन हो रहा है तथा उसके परिणाम स्वरूप उनको क्षति हो रही है तथा यह अनुरोध किया गया है कि नियमों के अनुसार इस संबंध में पाटन-रोधी जांच शुरू की जाए।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाणों के आधार पर दिनांक 27 जुलाई, 2015 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जो कि भारत के राजपत्र आसाधारण में प्रकाशित हुई थी, जिसमें नियमावली के नियम 6 (1) के अनुसार उपरोक्त देशों के मूल की अथवा वहां से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने तथा आरोपित आयात के विद्यमान होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा ऐसे पाटन-रोधी शुल्क का निर्धारण करने जिसे यदि लगाया जाता है तो क्या वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने का उल्लेख किया गया था।

ख. क्रिया-विधि

3. प्राधिकारी ने इस जांच के संबंध में निम्नोक्त क्रिया-विधि का अनुसरण किया है :-

- (1) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाटन से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित कर दिया है।
- (2) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बारे में पाटन रोधी जांच शुरू करने के बारे में भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 27 जुलाई, 2015 की अधिसूचना संख्या 14/21/2014-डीजीएडी संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी कर दी है।
- (3) प्राधिकारी ने एक पत्र के साथ इस सार्वजनिक अधिसूचना की एक प्रति, ज्ञात निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उद्योग की एसोसिएशनों (जिनके ब्यौरे घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेज दी है तथा उन्हें पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप से अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया गया है।
- (4) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को आवेदन पत्र के अगोपनीय वृत्तान्त की एक प्रति प्रदान की है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उनके अनुरोध पर आवेदन पत्र की एक प्रति उपलब्ध करा दी गई है।
- (5) संबद्ध देशों में निर्यातकों/उत्पादकों को भेजी गई पत्र और प्रश्नावलियों की प्रतियां, भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के सहित इस अनुरोध के साथ भेजी गई हैं कि वे संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को तथा संबद्ध देशों के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे प्राधिकारी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत कर दें।
- (6) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को उनसे संबद्ध सूचना मंगाने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेज दी गई हैं :-

- (क) ईडी हैंड टूल्स कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- (ख) टी एंड जे थाईलैंड ट्रेडिंग, बैंगकाक
- (ग) मिडाज हार्डवेयर एंड इंजीनियरिंग एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (घ) खुनासांची, थाईलैंड
- (ङ) माईलस्टोन्स वेंचर्स प्राईवेट लिमिटेड, बैंगकाक
- (च) जैक्सको इंटरप्राइज, मलेशिया
- (छ) जीपीआई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन सप्लाय, मलेशिया
- (ज) पीआरवाईएम कंजूमर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (झ) किंग जिम (विएतनाम) कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (ञ) एएनएच टू ट्रेडिंग एंड प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (ट) टान खांग एलएसी एलवीएस, विएतनाम
- (ठ) सनलाईफ मेडिक एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (ड) 25 पैकेजिंग एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (ढ) डेटी कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (ण) विएतनाम पोलू बैग इम्पोर्ट एक्सपोर्ट, जेएससी, विएतनाम
- (त) विएटगो कंपनी लिमिटेड, विएतनाम
- (थ) डब्ल्यूओआईआई शिंग कंपनी लिमिटेड, ताईवान
- (द) गोल्डन रूट कंपनी लिमिटेड, ताईवान
- (ध) राउंड लाईट इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, ताईवान
- (न) फार्चूनटेक इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, ताईवान

- (प) एमेरी मशीनरी कार्पोरेशन, ताईवान
(फ) इवेन मेन्युफेक्चर कंपनी लिमिटेड, ताईवान
- (7) तथापि, किसी भी निर्यातक ने निर्यात की प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही कोई अन्य निवेदन किया है।
- (8) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी का उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की है और उन्हें सलाह दी है कि वे नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत करा दें :-
- (क) लोहिया ट्रेड कन्सर्न, दिल्ली
(ख) विनय ब्रोदर्स, मुंबई
(ग) वी के इंटरनेशनल, मुंबई
(घ) फहाद इंटरप्राइजिस, मुंबई
(ङ) घनश्याम दास एंड सन्स (वीके इंडस्ट्रीज), मुंबई
(च) न्यू बेव इंडस्ट्रीज, जालंधर
(छ) आशियाना एक्सपोर्ट्स इंक, मुंबई
(ज) एसके इंटरप्राइजिस, मुंबई
(झ) स्टर्लिंग इंटरप्राइजिस, मुंबई
(ञ) फ्रीमेन्स मेजर्स लिमिटेड, लुधियाना
(ट) क्लास टेप कंपनी, मुंबई
(ठ) वीनस इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, लुधियाना
(ड) अम्बिका ओवरसीज, जालंधर
(ढ) न्यू बेव इंडस्ट्रीज इंडिया, जालंधर
- (9) किसी भी आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही कोई अन्य निवेदन किया है।
- (10) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित जांच की अवधि अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक है। तथापि, क्षति की जांच अवधि में वर्ष 2011-12, 2012-13 और 2013-14 तथा जांच की अवधि (पीओआई) भी शामिल है।
- (11) घरेलू उद्योग ने गौण स्रोत आईबीआईएस मुंबई से प्राप्त किए गए लेन-देनवार आंकड़े प्रस्तुत किए थे। प्राधिकारी ने तुलना के लिए ये आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से लिए थे। प्राधिकारी ने पाया कि जांच अवधि में आईबीआईएस आंकड़ों में सूचित आयात मात्रा डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों में सूचित आंकड़ों से काफी अधिक थी और इसलिए इस प्रकार की स्थितियों में विभिन्न पिछली जांचों में जैसा प्राधिकारी द्वारा किया गया है, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण के लिए आई बी आई एस आंकड़ों पर भरोसा किया है। वर्तमान मामले में आईबीआईएस आंकड़ों ने डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों द्वारा लिए गए प्रशुल्क वर्गीकरण के विरुद्ध विवरणों के अनुसार आयात मदे लीं। अतः आई बी आई एस आंकड़ों द्वारा सूचित आंकड़े काफी अधिक हैं।
- (12) ऐसे निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, जिन्होंने प्राधिकारी को न तो कोई उत्तर प्रस्तुत किया है और न ही इस जांच से संबद्ध कोई सूचना प्रदान की है, असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- (13) प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त, हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाईल के रूप में खुले उपलब्ध करा दिए हैं।
- (14) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और क्षति रहित कीमत का आकलन करने के लिए अनुबंध-3 में निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जितना संभव था उतनी जांच की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन मर्जिन से कमतर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

- (15) पाटन-रोधी शुल्क नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 2 दिसंबर, 2015 को हुई मौखिक सुनवाई के दौरान अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया था। इस मौखिक सुनवाई में केवल घरेलू उद्योग ने अपने कानूनी सलाहकार के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए थे तथा उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें।
- (16) जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों की, प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, उतनी जांच की गई है तथा उनका निदान इस जांच में किया गया है।
- (17) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा आंकड़ों की जितना आवश्यक समझा गया है, मौके पर जांच की गई है।
- (18) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा विचारित उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान करें।
- (19) जहां कहीं भी यदि किसी हितबद्ध पक्षकार ने मौजूदा जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना का अभिगमन करने अथवा उसे अन्यथा प्रदान नहीं करने से मनाही की है अथवा जांच में विशेष रूप से अडचन पैदा की है, प्राधिकारी ने "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर उसे इस अंतिम निर्णय में अनिवार्य तथ्यों के रूप में रिकार्ड किया है तथा ऐसे हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगी माना है।
- (20) इस प्रकटन विवरण में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की परिचायक है और प्राधिकारी ने इसे नियमावली के अंतर्गत गोपनीय माना है।

(21) इस जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर, 1 संयुक्त राज्य अमरीकी डालर = 61.69 रुपए है।

विचाराधीन उत्पाद और "समान वस्तु"

घरेलू उद्योग के निवेदन

4. भारतीय बाजार में पाटित किया जा रहा उत्पाद, मापन टेप्स है। सभी प्रकार के स्टील मापन टेप्स और फाईबर ग्लास मापन टेप्स, मौजूदा याचिका की विषय वस्तु है।

5. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित की जा रही वस्तुएं भारत में आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु हैं।

ख. 2 घरेलू उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

6. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही कोई मुद्दा उठाया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद "मापन टेप्स" है। सभी प्रकार के स्टील मापन टेप्स और फाईबर ग्लास मापन टेप्स, मौजूदा याचिका की विषय वस्तु है। सामान्यतया इनका प्रयोग किसी वस्तु की लम्बाई और चौड़ाई आदि को मापने के लिए किया जाता है। इनका अधिकतर प्रयोग फोरमेन, राजगीर, बर्दईयों, वन्य विभाग तथा दर्जियों द्वारा किया जाता है। मापन टेप्स का विनिर्माण उच्च कोटि के मिश्रित कार्बन स्टील ब्लेड, फोस्फेट्स से किया जाता है तथा उस पर विशेष प्रकार के इनेमल की परत लगाई जाती है ताकि उसमें जंग न लगे और विकृत नहीं हो। मापन टेप्स का प्रयोग निम्नलिखित कार्यों के लिए किया जाता है :-

- (क) उच्च प्रकार के परिशुद्ध सूक्ष्म व्यवसायिक कार्य
- (ख) किसी वस्तु की गहराई, चौड़ाई अथवा लंबाई नापने के लिए
- (ग) संविदात्मक और सर्वेक्षण के कार्य

8. तकनीकी दृष्टि से मापन टेप्स को स्टील अथवा फाईबर ग्लास जैसे कच्चे माल की लंबाई और चौड़ाई को मापने तथा अंतिम रूप से ऐसी परिशुद्धता से टेप पर अंकित किए जाने वाले परिमाण के रूप में परिभाषित किया जाता है।

9. मापन टेप्स का सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम के अध्याय 90 के अंतर्गत 9017, 9017.80, 9017.8010, 9017.90 शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। याचिकादाता ने यह बताया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात 90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090, 90189099 आदि जैसे उप-शीर्षों के अंतर्गत किए जा रहे हैं। तथापि, यह वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से मौजूदा जांच पर बाध्यकारी नहीं है।

10. इसके अतिरिक्त याचिकादाता ने यह भी निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किया जा रहा उत्पाद और संबद्ध देशों में भारत में आयात की जा रही संबद्ध वस्तुएं, पाटन-रोधी नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर समान वस्तुएं हैं तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं तथा घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित की जा रही वस्तुएं तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएं उनके भौतिक और रासायनिक लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यो और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों जैसी विशेषताओं, कीमत, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टेरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से समान वस्तुएं हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का उपयोग, उनके पारस्परिक प्रतिस्थापन के रूप में कर सकते हैं और कर रहे हैं तथा दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं। जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह निर्णय है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुएं, संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान हैं।

घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

11. घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (1) याचिका मेसर्स एफएमआई लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत की गई है।
- (2) याचिकादाता का उत्पादन, भारतीय समान वस्तु के उत्पादन का मुख्य अंश है (जो कि जांच अवधि में 1681 मी.टन है)। इसलिए याचिकादाता का यह निष्कर्ष है कि उसका संबंधित उत्पाद के लिए भारतीय घरेलू उद्योग की ओर से वर्तमान याचिका प्रस्तुत करने का पर्याप्त आधार है।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

12. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और आधार के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और न ही कोई मुद्दा उठाया है।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

“(ख) ‘घरेलू उद्योग’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का [के बड़ा भाग बनता है सिवा] उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘घरेलू उद्योग’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है”।

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदन पत्र मेसर्स एफएमआई लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक के अतिरिक्त मेसर्स फ्रीमेन्स मेजर्स लिमिटेड, मेसर्स क्लास टेप कंपनी, मेसर्स वीनस इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, मेसर्स अम्बिका ओवरसीज और मेसर्स न्यू बेव इंडस्ट्रीज विनिर्माता भारत में समान वस्तु विनिर्मित करते हैं। संबद्ध वस्तुओं के इन सभी उत्पादकों ने आवेदन पत्र का समर्थन किया है।

15. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात घरेलू उत्पादकों को निर्धारित प्रपत्र के साथ भेजी थी और उन्हें सलाह दी थी कि वे क्षति का निर्धारण करने के लिए संबद्ध सूचना प्रस्तुत करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप से अपने विचारों से अवगत कराएं। इन कंपनियों ने आवेदन पत्र का समर्थन किया है, लेकिन उन्होंने क्षति का निर्धारण करने के लिए पूरी संबद्ध सूचना प्रस्तुत नहीं की है। याचिका की समर्थक मेसर्स फ्रीमेन्स मेजर्स लिमिटेड, मेसर्स अम्बिका ओवरसीज, मेसर्स वीनस इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन (यूनिट-2) और मेसर्स क्लास टेप कंपनी ने अपनी क्षमता, उत्पादन और बिक्रियों से संबंधित सीमित आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

16. तथापि, प्राधिकारी के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार जांच अवधि में भारतीय उत्पादन में अकेले आवेदक का उत्पादन मुख्य अंश बनता है (जो कि 61.08% है)। उपरोक्त स्थिति और पाटन-रोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी मेसर्स फ्रीमेन्स मेजर्स

लिमिटेड को पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग मानते हैं तथा याचिका नियमावली के नियम 5 के अनुसार आधार के मानदंड को पूरा करती है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

17. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (क) चीनी ताइपेई, मलेशिया, थाईलैंड और विएतनाम ("संबद्ध देश") बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश हैं।
ऐसी कीमत के बारे में कोई भी सूचना प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे जिस पर चीनी ताइपेई, मलेशिया, थाईलैंड और विएतनाम घरेलू बाजारों में ऐसी सामग्री का व्यापार कर रहे हैं। साथ ही संबद्ध देशों में प्रचलित कीमत को कोई अन्य उचित प्रमाण प्राप्त करने के भी प्रयास किए गए थे। संबद्ध देशों के घरेलू बाजारों में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमतों के प्रमाण प्राप्त नहीं हो पाए हैं। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए संग्रहित सामान्य उपागम को अपनाए जाने में कठिनाई हुई है। याचिकादाता ने भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर विधिवत् समायोजन करने के बाद सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। स्टील और फाईबर ग्लास टेप्स के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पृथक् रूप से किया गया है, क्योंकि इन दोनों प्रकार के टेपों के बीच उसकी लागत और कीमत में अत्यधिक अंतर है। इसके अतिरिक्त इन दोनों प्रकार के टेपों में प्रयुक्त किए जाने वाले कच्चे माल में भी अंतर है।
- (ख) संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं।
- (ग) द्वितीय स्रोत, आईबीआईएस द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य को ध्यान में रख कर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। कारखाना-गत कीमत का निर्धारण करने के लिए निर्यातकों द्वारा भारत में ऐसी सामग्री को निर्यात करने में किए गए व्ययों के लिए निर्यात कीमत में समायोजन किया गया है।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

18. किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने किसी भी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अथवा न कोई कानूनी निवेदन किया है अथवा अन्यथा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत या पाटन मार्जिन के संबंध में कोई अन्य आवश्यक सूचना प्रदान नहीं की है।

सामान्य मूल्य का निर्धारण

19. धारा 9 (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है :-

- (1) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बना ☐ ग ☐ नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए ☐ नियत हो, अथवा
- (2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई ☐ के होगा :
(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बना ☐ ग ☐ नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बना ☐ ग ☐ नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत ☐ लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत :

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

20. शुरुआत के चरण में प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के साथ-साथ भारत में उनके संबद्ध दूतावासों को सलाह दी थी कि वे जांच शुरुआत करने संबंधी सूचना का उत्तर दें तथा उनकी बाजार अर्थव्यवस्था का निर्धारण करने से संबद्ध सूचना प्रदान करें। प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबंधित सरकारों से भी अनुरोध किया था कि वे अपने देश में उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दें कि वे संबद्ध सूचना प्रस्तुत करें। तथापि, किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

21. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि संबद्ध देशों के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, और साथ ही घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी को कोई सामग्रीगत तथ्य भी उपलब्ध नहीं कराया है, इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग नहीं प्राप्त होने के कारण संबद्ध देशों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने करार 6.8 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनन्तिम रूप से सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

22. तदनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीनी ताइपेई से सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद का कार्यगत सामान्य मूल्य संरचित किया गया है तथा प्राधिकारी ने यह प्रस्ताव किया है कि अन्य उपयुक्त आधार पर संबद्ध देशों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण, 6.8 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार किया जाए।

मौजूदा मामले में सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए अपनाई गई कार्य प्रणाली

23. प्राधिकारी ने उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नोक्त आधार पर किया है :-

- (क) संबंधित देश के विशेष व्यापार एटलस के आंकड़ों से स्टील स्ट्रॉइप की कीमतें अपनाई गई हैं। वियतनाम के लिए स्टील स्ट्रॉइप की कीमत मलेशिया से अपनाई गई है क्योंकि वियतनाम डबल्यू टी ए का सदस्य देश नहीं है। अन्य कच्चे माल के लिए घरेलू उद्योग की अधिप्राप्ति कीमत को अपनाया गया है।
- (ख) घरेलू उद्योग की सूचना/आंकड़ों के आधार पर कच्चे माल की अनुकूलतम खपत और परिवर्तन लागतों को अपनाया गया है।
- (ग) प्रयोज्यता की लागत तय करने के लिए संबंधित देशों के विद्युत टैरिफ को अपनाया गया है।
- (घ) घरेलू उद्योग की सूचना/आंकड़ों के आधार पर बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागतों को अपनाया गया है।
- (ङ.) 5% कारखाना-गत लागत की दर से लाभ लिया गया है, जिसमें ब्याज शामिल नहीं है।

24. उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ स्टील और फाईबर ग्लास टेप्स के लिए पृथक सामान्य मूल्य परिकलित किया गया है। तदनुसार स्टील और फाईबर ग्लास टेप्स के लिए संबद्ध देशों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया प्रस्तावित संरचित सामान्य मूल्य, नीचे पाटन मार्जिन तालिका में निर्दिष्ट किया गया है।

25. घरेलू उद्योग द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टील और फाईबर ग्लास टेप निर्मित किए जाते हैं, इसलिए उत्पादन के प्रति यूनिट की लागत को सामान्य बनाने के लिए प्रत्येक आकार के टेप के लिए प्रति किग्रा. में शामिल होने वाले टेपों की संख्या तय की गई है। ऐसा अनुमान है कि प्रति किग्रा. टेप की लंबाई की ओर ध्यान दिए बिना उसकी लागत लगभग समान रहती है। यह सत्यापित किया जाता है कि 3 मीटर लंबी टेप का भार 98 ग्राम होता है और 5 मीटर लंबी टेप का भार 176 ग्राम आदि होता है। चूंकि प्रति किग्रा. टेप की लागत समान रहती है, इसलिए प्रति किग्रा. लागत को 1 किग्रा. में निहित टेप की संख्या से विभाजित किया जाता है ताकि एक टेप की लागत और उसी आकार के टेप के निर्यात लागत का पता लगाया जा सके जिसकी तुलना समान टेप के आधार पर की जाती है। इसी प्रक्रिया का अनुपालन चीन के मापन टेप के पाटन की निर्णायक समीक्षा में किया गया है और इसे बहुत उपयुक्त पाया गया है।

निर्यात कीमत का निर्धारण

26. चूंकि संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध उत्तम सूचना के आधार पर किया है। आवेदक ने आंकड़ों की आपूर्ति करने वाली एजेंसी, आईबीआईएस द्वारा यथा सूचित भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों के आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच की कार्रवाई के दौरान डीजीसीआईएंडएस से कारोबार-वार आयात के आंकड़े प्राप्त किए हैं। यह देखा गया है कि आईबीआईएस द्वारा यथा सूचित आयातों की मात्रा, डीजीसीआईएंडएस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा से काफी अधिक है और इसलिए प्राधिकारी ने आईबीआईएस से प्राप्त हुए आंकड़ों पर विचार किया है तथा भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों को ध्यान में रखते हुए निर्यात कीमत निर्धारित की है। चीनी ताइपेई से निर्यातकों से असहयोग को ध्यान में रखते हुए आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर कीमत का समायोजन किया गया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, बैंक प्रभारों, पत्तन और अंतरदेशीय भाड़े के

प्रभारों के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। तदनुसार स्टील टेप्स और फाईबर ग्लास टेप्स के लिए चीनी ताइपेई के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई प्रस्तावित निर्यात कीमत, नीचे पाटन मार्जिन तालिका में निर्दिष्ट की गई है।

समस्त चार संबद्ध देशों के लिए निर्यात कीमत तय करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया गया है:

यदि आयात आंकड़े ‘‘स्टील टेप’’ अथवा ‘‘फाईबर ग्लास टेप’’ के रूप में सामानों को वर्णित करते हैं तो तद्विरुद्ध मूल्य यथावत लिया जाता है। तथापि, अन्य विवरणों के मामले में तद्विरुद्ध मूल्य निकालने के लिए टेप की लंबाई के आधार पर पृथक् किया जाता है।

समुद्री भाड़ा : *** यूएसडी की दर से, समुद्री बीमा *** यूएसडी की दर से लेकर *** यूएसडी की दर तक, बैंक प्रभार *** यूएसडी की दर से, पल्टन व्यय *** प्रतिशत की दर से, संचालन प्रभार *** प्रतिशत की दर से और निवल निर्यात कीमत तय करने के लिए कमीशन *** प्रतिशत की दर से घटाई जाती है।

तदुसार, स्टील टेपों और फाईबर ग्लास टेपों के लिए संबद्ध देशों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई प्रस्तावित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में निर्दिष्ट की गई है।

पाटन मार्जिन

27. ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित पाटन मार्जिन निम्नानुसार है। यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन, न्यूनतम से अधिक है और यह काफी अधिक है।

पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन		स्टील टेप्स			
देश	यूनिट	ताइवान	थाईलैंड	विएतनाम	मलेशिया
संरचित सामान्य मूल्य	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
निर्यात कीमत	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन का %	%	***	***	***	***
पाटन मार्जिन के % की सीमा		230-240	250-260	200-210	180-190
पाटन मार्जिन		फाईबर ग्लास टेप्स			
देश	यूनिट	ताइवान	थाईलैंड	विएतनाम	मलेशिया
संरचित सामान्य मूल्य	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
निर्यात कीमत	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./कि.ग्रा.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन का %	%	***	***	***	***
पाटन मार्जिन के % की सीमा		270-280	500-510	80-90	245-255

च. क्षति का निर्धारण करने तथा क्षति और क्षति के संबंध की जांच करने के लिए कार्यप्रणाली

ड 1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

28. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (क) विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (ख) भारत में उत्पादन और खपत के प्रसंग में क्षति अवधि में आयातों में वृद्धि हुई है।
- (ग) क्षति अवधि में संबद्ध देशों के बाजार के हिस्से में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2011-12 में यह 21% से बढ़ कर 42 % हो गया है, जो कि प्रतिशत में लगभग दुगुना है। दूसरी ओर घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, जो कि वर्ष 2011-12 में 33 % से घट कर 21 % रह गया है।
- (घ) आयातित वस्तुएं घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रही हैं। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ऐसी कीमत कटौती, संबद्ध देशों से अत्यधिक है।
- (ङ) घरेलू उद्योग को अत्यंत तेजी से तथा निरंतर ऐसी कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।
- (च) वर्ष 2013-14 तक माल सूचियों में वृद्धि हुई है, लेकिन उसके बाद जांच अवधि में उनमें गिरावट आई है।
- (छ) समस्त क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन लाभ, नियोजित पूंजी और नकदी लाभ के रूप में अत्यधिक गिरावट आई है।

ड 2. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

29. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई निवेदन नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनेक निवेदनों के बारे में प्राधिकारी संबद्ध देशों से आयातों के कारण क्षति की जांच करने की कार्रवाई करने से पूर्व घरेलू उद्योग की वर्तमान क्षति, यदि कोई है, की जांच करने के लिए आगे की कार्रवाई करते हैं।

31. अनुबंध-2 के साथ पठित साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

32. विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की सार्थक जांच करने की व्यवस्था निहित है। पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव के बारे में प्राधिकारी को इसकी जांच करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के प्रसंग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के बारे में प्राधिकारी को इसकी जांच करने की आवश्यकता होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की जा रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव कीमतों में अन्यथा अत्यधिक मात्रा में हास कर रहे हैं अथवा कीमतों में वृद्धि होने को रोक रहे हैं जो कि अन्यथा अत्यधिक मात्रा में होती।

33. उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, बिक्रियों की निबल वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर विचार किया गया है।

34. क्षति का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव तथा इनके कीमतों और लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच की है, ताकि क्षति के विद्यमान होने तथा क्षति कोई हुई है, उसके और पाटन के बीच कारणात्मक संबंध होने का पता लगाया जा सके। प्राधिकारी ने मेसर्स एफएमआई लिमिटेड, जो कि नियमावली के अंतर्गत एक घरेलू उद्योग बनता है, से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है। तदनुसार पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है :-

संचयी मूल्यांकन

35. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध - II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे, जब वह यह निर्धारित करें कि :-

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुआ आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की तीन प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा

(ख) आयातित वस्तु विं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

36. मौजूदा मामले में

(क) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन निर्धारित सीमा से अत्यधिक है।

(ख) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन की मात्रा निर्धारित सीमा से अत्यधिक है।

(ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है, क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात, भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से पारस्परिक प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि मौजूदा मामले में संचयी मूल्यांकन का प्रतिवाद करने के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

37. उपरोक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी संबद्ध देशों से पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त मानते हैं।

(क) मांग और बाजार का हिस्सा

38. प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और समस्त स्रोतों से भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों का संकलन-फल माना है। इस प्रकार से मूल्यांकित की गई मांग को नीचे तालिका में देखा जा सकता है। यह नोट किया जाता है कि समस्त क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि होने के साथ-साथ संबद्ध देशों के बाजार के हिस्से में भी वृद्धि हुई है, जबकि अन्य देशों के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है। साथ ही घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में भी गिरावट आई है।

भारत में मांग और बाजार का हिस्सा

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच अवधि
मांग	मी.टन	2,774	3,659	3,698	5,082
संबद्ध देश - आयात	मी.टन	678	1,159	1,292	2,159
अन्य देशों से आयात	मी.टन	117	114	22	147
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.टन	1,057	1,267	1,312	1,467
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	मी.टन	923	1,120	1,071	1,309
भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	मी.टन	1,979	2,387	2,384	2,776
मांग में बाजार का हिस्सा					0
ताईवान	%	4.70	11.96	8.89	18.25
थाईलैंड	%	3.76	5.90	9.94	8.09
विएतनाम	%	15.38	13.27	14.99	14.59
मलेशिया	%	0.60	0.53	1.13	1.56
संबद्ध देश	%	24.44	31.66	34.94	42.49
अन्य देश	%	4.22	3.12	0.56	2.88
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	38.09	34.61	35.49	28.87
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	%	33.25	30.61	28.98	25.75

*जांच अवधि - अप्रैल 2014 से मार्च, 2015 तक।

(ख) आयात मूल्य और बाजार का हिस्सा

39. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के प्रसंग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। क्षति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से अधिप्राप्त किए गए आयात के आंकड़ों पर विश्वास किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का किया गया विश्लेषण निम्नानुसार है:-

क्रमांक	विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
	आयात					
	ताईवान	मी.टन	130	438	329	928
	थाईलैंड	मी.टन	104	216	367	411
	विएतनाम	मी.टन	427	486	554	741
	मलेशिया	मी.टन	17	19	42	79
	संबद्ध देश	मी.टन	678	1,159	1,292	2,159
	पाटन-रोधी शुल्क लगाने वाले देश	मी.टन	32	18	21	146
	अन्य देश	मी.टन	85	96	1	1
	कुल आयात	मी.टन	795	1,273	1,314	2,306

40. यह नोट किया जाता है कि समग्र रूप से संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में पूर्णरूपेण अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2011-12 से संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा दुगुनी से भी अधिक हो गई है।

पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और उनके घरेलू उद्योग पर प्रभाव

41. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत में हास तथा कीमत के न्यूनीकरण होने के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत, निबल बिक्री वसूली (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत की तुलना, संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य तथा घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत से की गई है। घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान किए गए करों, दी गई छूट, रियायत और कमीशन को समंजित किया गया है। क्षति का मूल्यांकन करने के लिए कम कीमत पर बिक्री होना एक महत्वपूर्ण संकेतक है। इस प्रकार प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत का आकलन किया है तथा उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की है, ताकि कम कीमत पर बिक्री होने की सही स्थिति का पता लगाया जा सके। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन की लागत पर उपयुक्त रूप से विचार करके घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन किया गया है। इसकी स्थिति निम्नानुसार है :-

(क) कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री

42. कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री होने की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है :-

स्टील मापन टेप्स (ताईवान)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	182.71	113.64	98.25	87.68
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा%	30-40	55-65	60-70	70-80

फाईबर ग्लास मापन टेप्स (ताईवान)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	103.74	128.91	133.16	78.66
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	107	109
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा%	55-65	50-60	50-60	70-80

मापन टेप्स (स्टील और फाईबर ग्लास) ताईवान

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	108.88	128.09	113.87	87.55
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा %	55-65	55-65	55-65	70-80

स्टील मापन टेप्स (थाईलैंड)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	29.73	78.40	77.11	77.20
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा%	85-95	70-80	70-80	75-85

फाइबर ग्लास मापन टेप्स (थाईलैंड)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	67.65	88.49	151.26	45.80
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	107	109
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	75-85	70-80	50-60	80-90

मापन टेप्स (स्टील और फाइबर ग्लास) थाईलैंड

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	45.63	80.93	81.41	73.67
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	80-90	70-80	70-80	70-80

स्टील मापन टेप्स (वियतनाम)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	63.65	87.25	107.45	90.01
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा%	70-80	70-80	60-70	70-80

फाइबर ग्लास मापन टेप्स (वियतनाम)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	96.61	118.21	120.92	140.24
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	107	109
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	55-65	60-70	60-70	50-60

मापन टेप्स (स्टील और फाइबर ग्लास) वियतनाम

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	82.31	104.24	112.31	90.54
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	70-80	60-70	60-70	65-75

स्टील मापन टेप्स (मलेशिया)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	37.82	732.68	98.34	107.90
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	80-90	140-150	60-70	60-70

फाईबर ग्लास मापन टेप्स (मलेशिया)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	47.72	115.73	76.40	37.81
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	107	109
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	80-90	60-70	70-80	80-90

मापन टेप्स (स्टील और फाईबर ग्लास) मलेशिया

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	46.46	115.82	88.18	60.45
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	80-90	60-70	70-80	75-85

स्टील मापन टेप्स (संबद्ध देश)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	57.99	85.55	92.19	83.19
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	75-85	70-80	65-75	65-75

फाईबर ग्लास मापन टेप्स (संबद्ध देश)

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	92.16	116.92	121.00	51.81
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	107	109
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	60-70	60-70	55-65	80-90

मापन टेप्स (स्टील और फाईबर ग्लास) संबद्ध देश

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	78.68	103.56	99.46	81.39
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	106	108
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती	सीमा	70-80	55-65	70-80	70-80

कीमत में कटौती

क्षति मार्जिन	स्टील टेप्स				
देश	यूनिट	ताइवान	थाइलैंड	वियतनाम	मलेशिया
एनआईपी	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	87.68	77.20	90.01	107.90
कीमत में कटौती	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	सीमा %	220-230	260-270	210-220	160-170
क्षति मार्जिन	फाईबर टेप				
देश	यूनिट	ताइवान	थाइलैंड	वियतनाम	मलेशिया
एनआईपी	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	78.66	45.80	140.24	37.81
कम कीमत पर बिक्री	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	सीमा %	220-230	455-465	80-90	570-580

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए बिना ही आयातों की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। इस प्रकार पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में कीमत में काफी कटौती होगी। इसके अतिरिक्त आयातों की पहुंच कीमत, पाटन-रोधी उपाय लागू नहीं होने की स्थिति में घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत पर्याप्त रूप से कम है, जिसके परिणाम स्वरूप अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

(ख) कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण

44. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की तुलना, बिक्री की लागत से की गई है। नीचे दिए गए आंकड़ों से पता चलता है कि क्षति की अवधि के दौरान जबकि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और बिक्रियों की कीमत में वृद्धि हुई है, फिर भी बिक्री कीमत, लागत में हुई वृद्धि से कम है, जिससे कीमत हास के अत्यधिक प्रभाव का पता चलता है। आवेदक ने यह दावा किया है कि इनपुट की लागत में वृद्धि होने के फलस्वरूप लागत में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग पाटित आयातों के प्रभाव के कारण लागत में हुई वृद्धि के समानुपात अपनी कीमतों में वृद्धि करने में असमर्थ रहा है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्रियों की लागत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	114	117
बिक्री कीमत	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	106	108
पहुंच कीमत	रूपए/कि.ग्रा	87	115	110	90
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	126	103

घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचलों पर प्रभाव

45. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में ऐसी अपेक्षा है कि क्षति के निर्धारण की प्रक्रिया में इन आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पड़ने वाले परिणामी प्रभाव सार्थक जांच करनी शामिल है। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पड़ने वाले परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली में आगे यह भी व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में ऐसे सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और संकेतकों का एक सार्थक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना निहित होना चाहिए, जो घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं, जिनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार के हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट आना तथा घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मांग सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता आदि पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति प्राचलों का उल्लेख नीचे किया गया है।

(क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

46. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों से संबंधित सूचना निम्नानुसार है :-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (जांच अवधि)
क्षमता	मी. टन	2,400	2,400	2,400	2,400
उत्पादन	मी. टन	1,235	1,521	1,412	1,681
क्षमता उपयोग	%	51%	63%	58.85%	70%
घरेलू	मी. टन	***	***	***	***
निर्यात	मी. टन	***	***	***	***
कुल बिक्रियां	मी. टन	1,243	1,468	1,460	1,676

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, घरेलू उद्योग को समस्त क्षति अवधि के दौरान कम क्षमता उपयोग की स्थिति का निरंतर सामना करना पड़ा है।

(ख) बाजार का हिस्सा

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों के बाजार के हिस्से में भी वृद्धि हुई है, जबकि अन्य देशों जिनमें ऐसे देश भी शामिल हैं, जो कि पाटन-रोधी शुल्क लगा रहे हैं, के बाजार के हिस्से में पाटित आयातों के कारण गिरावट आई है। वर्ष 2013-14 तक घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है, लेकिन उसके बाद उसमें तेजी से गिरावट आई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
संबद्ध देश	%	24.44	31.66	34.94	42.49
अन्य देश	%	4.22	3.12	0.56	2.88
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	38.09	34.61	35.49	28.87
अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्रियां	%	33.25	30.61	28.98	25.75

(ग) लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ

48. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है :-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
लाभ/(हानि) प्रति यूनिट	रूपए/कि.ग्रा	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	31	26	17
लाभ/(हानि) – कुल	लाख रूपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	37	32	23
मूल्यहास	लाख रूपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	111	145	129
नकदी लाभ	लाख रूपए	***	***	***	***

सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	50	52	42
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ—एनएफए	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	40	23	20

49. प्राधिकारी उपरोक्त विवरण से निम्नोक्त अनुसार नोट करते हैं :-

- (1) क्षति अवधि के दौरान लाभ प्रति यूनिट और नकदी लाभ में तीव्र गिरावट आई है।
- (2) क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में तीव्र गिरावट आई है और यह जांच अवधि में केवल 7 % है।
- (3) लाभप्रदता में ऐसी तीव्र गिरावट इस तथ्य के कारण से आई है कि घरेलू उद्योग बिक्रियों की लागत में हुई वृद्धि के समानुपात अपनी बिक्री कीमतों में वृद्धि करने में असमर्थ रहा है। इसके परिणाम स्वरूप जांच अवधि में घरेलू उद्योग को नकारात्मक लाभ हुआ है।
- (4) घरेलू उद्योग बाजार में पाटित संबद्ध आयातों के विद्यमान होने के कारण बिक्री कीमतों को असंगत रूप से कम रखने के लिए बाध्य है।
- (5) घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री की मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद उसकी लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- (6) इससे यह पता चलता है कि उत्पादन और बिक्री की मात्रा में वृद्धि केवल इसलिए हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग बिक्रियों में होने वाली वृद्धि के कारण उसको हो रही कीमत क्षति से मुकाबला करने का प्रयास किया है, हालांकि उसको न्यून कीमतों पर ऐसी बिक्री करनी पड़ी है।
- (7) इस प्रकार ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग लाभ प्रदता में आने वाली गिरावट को स्वीकार करते हुए बिक्री की मात्रा और बाजार के हिस्से को बनाए रख सका है।
- (8) समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और निबल बिक्री वसूली से कम रही है।

(घ) रोजगार और वेतन

50. क्षति अवधि के दौरान रोजगार और वेतन में वृद्धि नीचे तालिका में देखी जा सकती है।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
रोजगार	सं०	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति				
मजदूरी	रु०(लाख)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति				

(ङ) उत्पादकता

घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार है :-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	110	103	119
उत्पादन प्रति दिन	एम.टी.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	129	114	136

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2012-13 तक प्रति कर्मचारी उत्पादकता और प्रति दिवस उत्पादकता में वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में उत्पादन की प्रवृत्ति के अनुसार उसमें गिरावट आ गई है।

(च) माल सूचियां

52. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की माल सूचियों के स्तर की जांच की है, जो कि नीचे तालिका में दी गई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
औसत भंडार	मी.टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	189	199	115

53. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जा सकता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में काफी वृद्धि हुई है।

(छ) पाटन की मात्रा

54. पाटन की मात्रा एक ऐसा सूचक है, जिससे घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण हुई क्षति की मात्रा का पता चलता है और यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के खिलाफ प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है और यह काफी अधिक है।

(ज) पूंजी जुटाने की क्षमता

55. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान स्थिति में जबकि निरंतर पाटन होने के कारण उत्पाद निरंतर कोई विशेष निष्पादन नहीं कर पा रहा है, किसी नए निवेश की कोई परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

(झ) संवृद्धि

56. मात्रा और कीमत दोनों प्राचलों के रूप में घरेलू उद्योग की संवृद्धि नकारात्मक रही है, जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार के हिस्से, लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ। घरेलू उद्योग की संवृद्धि की स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
उत्पादन	%		23.13	(7.12)	19.05
क्षमता उपयोग	%		0.22	(0.07)	0.19
बिक्रियों की मात्रा	%		19.85	3.63	11.81
बिक्रियों की लागत	%		11.38	2.47	2.61
बिक्री कीमत	%		4.23	2.00	1.77
लाभ/हानि	%		(69.18)	(15.53)	(35.92)
जांच अवधि	%		(0.60)	(0.44)	(0.03)
बाजार	%		(3.48)	0.88	(6.62)

(ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

57. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों की जांच करने से ऐसा पता चला है कि लागत के ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा होने तथा पाटित आयातों से भिन्न अन्य कारक, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही ऐसा पता चलता है, संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से कम होगा, जिसके कारण भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ रही है। यह भी नोट किया गया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अत्यधिक वृद्धि हो रही थी और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने का कारक नहीं हो सकता है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला सैद्धांतिक कारक, संबद्ध देशों और अन्य पाटन करने वाले देश से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

58. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति के अन्य ज्ञात कारकों भी हो सकते हैं, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है।

(क) पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें

59. यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात मात्रा की दृष्टि से या तो नकारात्मक है अथवा उन पर पाटन-रोधी शुल्क लग रहा है।

(ख) मांग में संकुचन और/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग ने सकारात्मक वृद्धि दर्शाई है। मांग में संकुचन एक ऐसा संभावित कारण नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के खपत के पैटर्न में परिवर्तन होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

(ग) प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धतियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के आयात स्वतंत्र रूप से हो रहे हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धति विद्यमान नहीं है। इसके अतिरिक्त घरेलू उत्पादकों के साथ कोई अवगम्य प्रतिस्पर्द्धा नहीं है, जो कि बाजार अर्थव्यवस्था के लिए स्वभाविक है, जो कि घरेलू उद्योग को क्षति होने का एक कारण हो सकती थी। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए एकल बाजार विद्यमान है, जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की जा रही संबद्ध वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्पर्द्धा कर सकते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं और देश में ही निर्मित की जा रही वस्तुएं एक समान वस्तुएं हैं और उनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंत

प्रयोक्ताओं द्वारा किया जाता है। ऐसा कोई प्रमाण प्राप्त नहीं हुआ है कि विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(घ) प्रोद्योगिकी में विकास

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद और उसके विनिर्माण से संबंधित प्रोद्योगिकी में कोई ऐसा विकास नहीं हुआ है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(ङ) निर्यात निष्पादन

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग उत्पाद का निर्यात नहीं करता है। तथापि, क्षति से संबंधित सूचना की यथा संभव घरेलू प्रचालनों के लिए जांच की गई है। इसलिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में किसी भी प्रकार की गिरावट, निर्धारित क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकती है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में हुई वृद्धि के अनुरूप घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। इसलिए उत्पादकता में गिरावट, निर्धारित क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकती है।

(छ) अन्य उत्पादों का निष्पादन

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि इस जांच में समान वस्तु के संबंध में सभी प्राचलों की जांच की गई है, इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन, पाई गई क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकता है।

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि ऊपर सूची बद्ध किए गए ज्ञात अन्य कारक, निर्धारित क्षति का संभावित कारण नहीं हो सकते हैं, निम्नलिखित प्राचलों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संभावित कारण संबद्ध देशों से पाटित आयात हो सकते हैं।

- (क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात, बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती कर रहे थे।
- (ख) घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में वृद्धि करने से रोका गया था। संबद्ध देशों द्वारा उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को कीमत हास का नुकसान उठाना पड़ा था।
- (ग) घरेलू उद्योग को उत्पादन की लागत से कम कीमतों पर बिक्री करने के लिए विवश होना पड़ा था। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान पाटन के कारण घरेलू उद्योग को कीमत हास के परिणाम स्वरूप वित्तीय घाटे हुए थे।
- (घ) कीमत हास और कीमत में कटौती होने के फलस्वरूप लाभ, नकदी प्रवाह और निवेशों पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन नकारात्मक रहा है। इस प्रकार उत्पाद के पाटन के फलस्वरूप लाभ, नकदी प्रवाह और निवेशों पर प्रतिलाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है।
- (ङ) अन्य देशों पर पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने के बावजूद जांच अवधि में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के विद्यमान रहने के कारण घरेलू उद्योग को घाटे हुए हैं।

क्षति और उसके कारणों पर निष्कर्ष

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्रियों में उत्तरोत्तर गिरावट आई है। क्षति अवधि के दौरान लाभ से संबंधित प्राचलों ने अत्यधिक गिरावट दर्शाई है। लाभ, नकदी प्रवाह और निवेशों पर प्रतिलाभ में अत्यधिक गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान माल सूचियों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

छ. क्षति की मात्रा और क्षति का मार्जिन

68. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत को ध्यान में रख कर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना, संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

क्षति मार्जिन की तालिका

क्षति मार्जिन	स्टील टेप्स				
देश	यूनिट	ताईवान	थाईलैंड	विएतनाम	मलेशिया
एनआईपी	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	%	***	***	***	***
आईएम मार्जिन की सीमा		215-225	260-270	210-220	155-165

क्षति मार्जिन	फाईबर टेप्स				
देश	यूनिट	ताईवान	थाईलैंड	विएतनाम	मलेशिया
एनआईपी	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	रूपए/कि.ग्रा.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	%	***	***	***	***
आईएम मार्जिन की सीमा		220-230	450-460	80-90	570-580

69. यह नोट किया जाता है कि यथा निर्धारित क्षति मार्जिन अत्यधिक माना गया है।

ज. भारतीय उद्योग के हित

70. सामान्यतः पाटन-रोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में समान अवसरों वाली स्थिति सृजित करके खुली और उचित प्रतियोगिता की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लागू करने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करके विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और उसके परिणाम स्वरूप इन उत्पादों की सापेक्षित प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटन-रोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटन-रोधी उपाय लागू करने से पाटित पद्धतियों को प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग में आने वाली गिरावट को रोकेंगे तथा संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक चुनाव करने की सुविधा प्रदान करने में सहायक होंगे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए ये उपभोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करेंगे। उपभोक्ता अभी भी दो अथवा उससे अधिक आपूर्ति के स्रोत बनाए रख सकते हैं।

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात निवेदन

71. किसी भी निर्यातक/आयातक/प्रयोक्ता और हितबद्ध पक्षकार ने प्रकटन विवरण पश्चात कोई निवेदन नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात निवेदन

72. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात निवेदन का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

(क) मौजूदा याचिका में विचाराधीन उत्पाद मापन टेप्स हैं। विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 90 के अंतर्गत अनेक उप-शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है तथा सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया विचाराधीन उत्पाद पर आयातकों द्वारा प्रयुक्त इन ग्रेडों/संकन्द्रणों/परिशुद्धता स्तरों पर ध्यान दिए बिना शुल्क तालिका में शुल्क विनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त चूंकि विचाराधीन उत्पाद की कोई निर्धारित सीमा शुल्क संहिता नहीं है, इसलिए प्राधिकारी कृपया शुल्क तालिका में यह विनिश्चित करें कि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक मात्र है।

(ख) रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से स्पष्टतया सिद्ध होता है कि याचिकादाता का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का प्रमुख अंश है।

(ग) भारत में उत्पादन अथवा खपत के प्रसंग में तथा पूर्णरूपेण दोनों रूप में पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

- (घ) पाटित आयातों का प्रभाव अत्यधिक सीमा तक कीमतों में हास करना और कीमतों में वृद्धि होने को रोकना था, जो कि अन्यथा अत्यधिक मात्रा में होती। इस प्रकार इनसे घरेलू उद्योग को अत्यधिक घाटे हुए हैं।
- (ङ) जैसा कि विभिन्न संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों से पता चलता है, घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रतिकूल परिणामी प्रभाव पड़े हैं। प्राचलों की संख्या के रूप में घरेलू उद्योग की संवृद्धि प्रतिकूल है।
- (च) माल सूचियों, बाजार के हिस्से, लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से गिरावट आई है।
- (छ) हालांकि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग को समस्त क्षति अवधि के दौरान निरंतर कम क्षमता उपयोग होने की स्थिति का सामना करना पड़ा है।
- (ज) पाटित स्रोतों से आयात कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक हैं। इस प्रकार बाजार में उत्पाद के पाटन के कारण कीमत में हास हुआ है।
- (झ) प्रत्येक संबद्ध देश के मामले में पाटन मार्जिन अत्यधिक और धनात्मक है।
- (ञ) याचिकादाता नोट करता है कि चूंकि संबद्ध देशों से किसी भी उत्पादक ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी ने उपलब्ध उत्तम सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है।
- (ट) संबद्ध देशों से पाटन के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। इसलिए घरेलू उद्योग को हुई ऐसी क्षति को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लागू करने की आवश्यकता है। संयुक्त राज्य अमरीकी डालर के रूप में निर्धारित राशि के आधार पर ऐसे शुल्क की सिफारिश की जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

73. प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग के उपरोक्त तर्क आवृत्तीय हैं तथा प्राधिकारी द्वारा पहले प्रकटन विवरण में उनका निदान पहले ही कर दिया गया है तथा अंतिम निर्णय संबंधी अधिसूचना में उपयुक्त शीर्षों के अंतर्गत इनका पुनः निदान कर दिया गया है।

ज निष्कर्ष

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से किसी भी निर्यातक तथा भारत में आयातकों/प्रयोक्ताओं और इस जांच में भाग लेने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने न तो जांच शुरूआत करने के पश्चात कोई उत्तर प्रस्तुत किए हैं और न ही मौखिक सुनवाई में भाग लिया है और न ही कोई प्रकटन पश्चात निवेदन किया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना और किए गए निवेदनों के प्रति उठाए गए तर्कों को ध्यान में रखते हुए तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों और क्षति के उपरोक्त विश्लेषण तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात किए गए निवेदनों के आधार पर प्राधिकारी का यह निर्णय है कि —

- (क) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का पाटन हो रहा है।
- (ख) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

सिफारिश

75. उपरोक्त निष्कर्ष को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन तथा घरेलू उद्योग को उससे होने वाली परिणामी क्षति को दूर करने के लिए पाटन-रोधी उपायों की सिफारिश किए जाने की आवश्यकता है।

76. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए निम्नांकित तालिका में वर्णित ढंग और तरीके से प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के समस्त आयातों पर नीचे तालिका में निर्दिष्ट राशि के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

क्रमांक	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	मुद्रा
1.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	2.60	किग्रा.	अम.डॉ.
2.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	मलेशिया	कोई	कोई	कोई	2.60	किग्रा.	अम.डॉ.
3.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	कोई	मलेशिया	कोई	कोई	2.60	किग्रा.	अम.डॉ.
4.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	2.79	किग्रा.	अम.डॉ.
5.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	मलेशिया	कोई	कोई	कोई	2.79	किग्रा.	अम.डॉ.
6.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	कोई	मलेशिया	कोई	कोई	2.79	किग्रा.	अम.डॉ.
7.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	ताईवान	ताईवान	कोई	कोई	2.84	किग्रा.	अम.डॉ.
8.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	ताईवान	कोई	कोई	कोई	2.84	किग्रा.	अम.डॉ.
9.	90171000, 90173010,	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	कोई	ताईवान	कोई	कोई	2.84	किग्रा.	अम.डॉ.

	90173029, 90178010, 90178090									
10.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	तार्डवान	तार्डवान	कोई	कोई	2.86	किग्रा.	अम.डॉ.
11.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	तार्डवान	कोई	कोई	कोई	2.86	किग्रा.	अम.डॉ.
12.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	कोई	तार्डवान	कोई	कोई	2.86	किग्रा.	अम.डॉ.
13.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	थार्डलैंड	थार्डलैंड	कोई	कोई	2.96	किग्रा.	अम.डॉ.
14.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	थार्डलैंड	कोई	कोई	कोई	2.96	किग्रा.	अम.डॉ.
15.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	कोई	थार्डलैंड	कोई	कोई	2.96	किग्रा.	अम.डॉ.
16.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	थार्डलैंड	थार्डलैंड	कोई	कोई	3.27	किग्रा.	अम.डॉ.
17.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	थार्डलैंड	कोई	कोई	कोई	3.27	किग्रा.	अम.डॉ.
18.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	कोई	थार्डलैंड	कोई	कोई	3.27	किग्रा.	अम.डॉ.
19.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010,	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	2.77	किग्रा.	अम.डॉ.

	90178090									
20.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	वियतनाम	कोई	कोई	कोई	2.77	किग्रा.	अम.डॉ.
21.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	स्टील टेप्स	कोई	वियतनाम	कोई	कोई	2.77	किग्रा.	अम.डॉ.
22.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	1.87	किग्रा.	अम.डॉ.
23.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	वियतनाम	कोई	कोई	कोई	1.87	किग्रा.	अम.डॉ.
24.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	मापन टेप्स	फाईबर ग्लास टेप्स	कोई	वियतनाम	कोई	कोई	1.87	किग्रा.	अम.डॉ.

77. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी शुल्क शामिल होंगे।

78. केन्द्र सरकार द्वारा इस जांच परिणाम पर आधारित आदेश के विरुद्ध खिलाफ कोई अपील, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए.के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES
NOTIFICATION
New Delhi, the 10th March, 2016
(Final Findings)

Subject: Anti-dumping duty to be imposed on the imports of Measuring Tapes originating in or exported from Chinese Taipei, Malaysia, Thailand & Vietnam.

No. 14/21/2014-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the AD Rules or the Rules).

BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority (herein after referred to as the Authority), received a written application from M/s FMI Limited (hereinafter also referred to as the petitioner) on behalf of the domestic producer producing

Measuring Tapes [(hereinafter referred to as the subject goods or the product under consideration (PUC)] in India, alleging dumping of the subject goods from Chinese Taipei, Malaysia, Thailand & Vietnam (hereinafter referred to as the subject countries) and consequent injury to them and requesting for initiation of an Antidumping investigation in accordance with the rules.

2. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants on behalf of the domestic industry, issued an Initiation Notification dated 27th July 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the Anti-dumping duty, if any.

PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed in this investigation:

- (i) The Authority notified the Embassy of the subject countries in India about the receipt of application alleging dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries before proceeding to initiate the investigation in accordance with the Anti-dumping Rules.

- (ii) The Authority issued a public notice No. 14/21/2014-DGAD dated 27th July, 2015 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

- (iii) The Authority forwarded a letter along with copy of the Initiation Notification to all the known exporters and other interested parties/industry associations (whose details were made available by the domestic industry) and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time limits in accordance with the Anti-dumping rules.

- (iv) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters of the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules. A copy of the application was also made available to other interested parties, upon request.

- (v) Copies of the letter and the exporter questionnaires sent to the exporters/producers in the subject countries were also sent to the embassy of the subject countries in India along with a list of known exporters /producers with a request to advise the known exporters / producers from the subject countries as also other exporters / producers from the subject countries to respond to the questionnaires within the prescribed time limits.

- (vi) The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with the Anti-dumping Rules:

- a. Indy Hand Tools Co. Ltd., Thailand
- b. T&J Thailand Trading, Bangkok
- c. Midas Hardware And Engineering SDN BHD, Malaysia
- d. Khunsanchai, Thailand
- e. Milestone Ventures Part Ltd., Bangkok
- f. Zaxco Enterprise, Malaysia
- g. GPI Engineering & Construction Supply, Malaysia
- h. PRYM Consumer Malaysia SDN BHD, Malaysia
- i. KING JIM (Vietnam) Co. Ltd., Vietnam
- j. ANH Tu Trading And Production Company Ltd., Vietnam
- k. TAN Khang LAC LVS, Vietnam
- l. Sunlife Medic SDN BHD, Malaysia
- m. 2S Packaging SDN BHD, Malaysia
- n. Deti Co. Ltd., Vietnam
- o. Vietnam Polu Bag Import Export., JSC, Vietnam
- p. Vietgo Company Ltd., Vietnam
- q. WOEI Shing Co. Ltd., Taiwan
- r. Golden Root Company Ltd., Taiwan
- s. Round Light Industry Co. Ltd., Taiwan
- t. Fortuntek Industrial Co., Ltd., Taiwan
- u. Emery Machinery Corp., Taiwan
- v. Evain Manufacture Co. Ltd., Taiwan

- (vii) However, none of the exporters filed response to the exporter's questionnaire or made any other submissions.

- (viii) The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in

India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):

- a) Lohia Trade Concern, Delhi
- b) Vinay Brothers, Mumbai
- c) VK International, Mumbai
- d) Fahad Enterprises, Mumbai
- e) GhanshyamDass& Sons (Veekay Industries), Mumbai
- f) New Wave Industries, Jalandhar
- g) **Ashiana Exports Inc.**, Mumbai
- h) SK Enterprises, Mumbai
- i) **Sterling Enterprises**, Mumbai
- j) Freemans Measures Ltd, Ludhiana
- k) Klas Tape Co, Mumbai
- l) Venus Industrial Corp, Ludhiana
- m) Ambika Overseas, Jalandhar
- n) New Wave Industries India, Jalandhar

(ix) None of the importers/users filed any responses or made any other submissions.

(x) The Period of Investigation (POI) determined by the Authority is from April 2014 to March 2015. The injury investigation period will, however, cover the periods 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the Period of Investigation.

(xi) The domestic industry had submitted the transaction wise data sourced from the secondary source IBIS, Mumbai. The Authority procured the same from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) as well for comparison. The Authority found that the import volume reported in the IBIS data in the POI was significantly higher than reported in the DGCIS data and, therefore, the Authority has relied upon the IBIS data for the injury analysis in present investigation as has been done by the Authority in various previous investigations in such situations. In the instant case, the IBIS data captured the import items according to the descriptions as opposed to tariff classifications captured by the DGCI&S data. Hence, the data reported by the IBIS data is significantly higher.

(xii) Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.

(xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).

(xiv) The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if Anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

(xv) In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 2nd December, 2015. Only the domestic industry along with its legal counsel presented their views in the oral hearing and was requested to file written submissions of the views expressed orally.

(xvi) The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation and considered relevant by the Authority have been examined and addressed in this investigation.

(xvii) On the spot verification of the information and data submitted by the domestic industry was carried out to the extent deemed necessary.

(xviii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined by the Authority with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed. Wherever possible, the interested parties were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

(xix) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these essential facts on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.

(xx) *** in this Final Findings Statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(xxi) The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =61.69.

SCOPE OF PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Submissions by the Domestic Industry

4. The product being dumped in the Indian market is Measuring Tapes. All type of steel measuring tapes and fibre glass measuring tapes are the subject matter of the present petition.
5. The goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods imported in India.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

6. None of the other interested parties has responded or raised any issues with respect to the product under consideration and like article.

Examination by the Authority

7. The product under consideration is "Measuring Tapes". All type of steel measuring tapes and fibre glass measuring tapes are the subject matter of the present petition. These are generally used for measuring the length, breadth etc. of an object. These are mostly used by foreman, mason, carpenter, forestry departments and tailors etc. Measuring Tapes are manufactured from tempered high quality carbon steel blade, phosphate and coated with special enamel to withstand corrosion and rust. Measuring tapes are used for:-
 - a. High precision professional jobs;
 - b. Measuring depth, width or length of an object;
 - c. Contraction and surveys.
8. In technical terms, measuring tapes are defined in terms of length and width of a raw material used, i.e., steel or fibre glass, and finally precision with which dimensions are marked on the tape.
9. Measuring tapes are classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8010, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under sub-headings such as 90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090, 90189099 etc. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
10. Further, the applicant submitted that the product manufactured by the domestic industry and the subject goods imported into India from the subject countries are like articles within the meaning of the Anti-dumping Rules; that there is no known difference between the subject goods imported from the subject countries and that produced by the domestic industry; that the subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject countries are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods; that the consumers can use and are using the two interchangeably and that the two are technically and commercially substitutable. After examination, the Authority concludes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to that imported from the subject countries.

SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions made by the Domestic Industry

11. The Domestic Industry has made the following submissions with respect to the scope of domestic industry and standing:
 - (i) The petition has been filed by M/s FMI Limited.

(ii) The production of the petitioner alone constitutes a major proportion of Indian production (which is 1681 MT in POI) of the like article and upon examination, it is concluded that, the petitioner has sufficient standing to file the present petition on behalf of the Indian domestic industry for the product concerned. Further, petitioner constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

12. None of the other interested parties has responded or raised any issues with respect to the scope of the domestic industry and standing.

Examination by the Authority

13. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules provides as follows:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

14. The Authority notes that the application has been filed by M/s FMI Limited. The Authority further notes that apart from the applicant, M/s. Freemans Measures Limited, M/s. Klas Tape Co., M/s. Venus Industrial Corp., M/s. Ambika Overseas and M/s. New Wave Industries manufacture the like article in India. All these producers of the subject goods have supported the application.

15. The Authority forwarded a copy of the public notice to these known domestic producers of subject goods in India along with prescribed proforma and advised them to provide relevant information for injury determination and make their views known in writing the prescribed time limit. While these companies have supported the petition, these companies have not provided information relevant to injury determination, except that the supporters M/s Freemans Measures Pvt. Ltd., M/s Ambika Overseas, M/s Venus Industrial Corporation (Unit II), Klas Tape Co. have provided limited data relating to its capacity, production and sales.

16. However, as per the records available with the Authority, the applicant alone accounts for major share in Indian production in the POI (61.08%). In view of the above position and having regard to the Anti-dumping Rules, the Authority determines that M/s FMI Limited constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules, and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions by the domestic industry

17. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export and dumping margin:

a) Chinese Taipei, Malaysia, Thailand and Vietnam (“subject countries”) are market economy countries.

Efforts were made to get any information about the price at which material is being traded in the domestic markets of Chinese Taipei, Malaysia, Thailand and Vietnam. Efforts were also made to get any other reasonable evidence of price prevailing in the subject countries. Evidence of selling prices of the product under consideration in the domestic markets of subject countries were not found. Therefore, there emerged a constraint to adopt constructed normal value approach for determination of normal value. Petitioner has determined normal value on the basis of cost of production in India, duly adjusted. The normal value has been determined for Steel and Fibre Glass Tapes separately owing to significant cost and price difference between the two types. Further, the major raw material used for production of the two types is also different.

b) None of the producers/ exporters from the subject countries responded to the exporters’ questionnaire.

c) The export price has been determined considering the volume and value of imports for the period of investigation as per data released by secondary source, IBIS. The export price has been adjusted for the

expenses that may have been incurred by the exporter for exporting the material to India to determine ex-factory export price.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

18. None of the producers/exporters has filed any questionnaire response or legal submission, or has otherwise provided necessary information with respect to normal value, export price or dumping margin.

Determination of Normal Value

19. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

20. At the stage of initiation, the Authority advised the known producers/exporters in the subject countries as well as their respective embassies in India to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority also requested Government of the respective subject countries to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information. However, none of the producers/exporters has filed any response.

21. In view of the fact that none of the producers/exporters from the subject countries have filed any exporters questionnaire, the Authority has, therefore, determined the normal value in respect of the subject countries in the absence of cooperation from producers/exporters, in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

22. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters have been constructed based on facts available and the Authority has proposed to determine the normal value in respect of the subject countries on other reasonable basis, in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

Methodology adopted for constructing Normal Value in the present case

23. The Authority has constructed the Normal value in respect to all the four countries following the producers as stated under : –

- a) Prices of Steel Strip have been adopted from World Trade Atlas data of the respective Country. Steel Strip price for Vietnam has been adopted from Malaysia as Vietnam is not a member country of WTA. For other Raw Materials, procurement price of the domestic industry has been adopted.
- b) Optimum consumption of raw materials and conversion costs has been adopted on the basis of information/data of the domestic industry.
- c) Electricity tariff of respective countries have been adopted for working out the cost of utility.
- d) Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of the domestic industry.
- e) Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

24. For the purposes of arriving at the exact value, separate normal value has been calculated for Steel and Fibre Glass Tapes. Accordingly, the proposed constructed normal value determined by the Authority in respect of subject countries for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes is as indicated in the dumping margin table below.

25. As various varieties of Steel and Fibre Glass Tapes are produced by the Domestic Industry, hence to unify the cost per unit of production, number of tapes covered per Kg is worked out for each size of Tapes. It is estimated that irrespective of the length of tape per Kg cost almost remains same. It is verified that a 3meter length Tape has a weight of 98gm and the weight of a 5 meter tape is 176gm, etc. As the cost per kg remains same hence the cost per kg is divided by the numbers of tape contained in 1kg to get the cost of one tape and the export price of same size of tape is compared on a like to like basis. The same procedure was followed in Sunset Review of dumping of Measuring Tapes against China PR and found to be most appropriate.

Determination of Export Price

26. Since none of the exporters from subject countries has responded to the Authority, the Authority has determined Export Price in respect of imports from subject countries on the basis of best information available in accordance with Rule 6(8) of the AD Rules. The applicant has determined export price on the basis of imports of the product under consideration in India, as reported by IBIS, the data supplying agency. The Designated Authority has received transaction wise import data from the DGCIS during the course of the investigations as well. It is seen that the volumes of imports reported by IBIS is significantly higher as compared to DGCI&S and, therefore, the Authority has considered the data received from IBIS and determined the export price considering all imports of the product under consideration in India. In the instant case, the IBIS data captured the import items according to the descriptions as opposed to tariff classifications captured by the DGCI&S data. Hence, the data reported by the IBIS data is significantly higher. Price adjustments have been made on the basis of claims made by applicant domestic industry in view of non-cooperation by the exporters. Export price has been determined at ex-factory level after adjusting for ocean freight, marine insurance, commission, bank charges, port and inland freight charges.

The following procedure has been adopted for working out export price for all the four subject countries:

If the import data describe the goods as 'Steel Tape' or 'Fibre Glass Tape', the corresponding value is taken, as it is. However in case of other description, segregation is made on the basis of length of the tape to work out the corresponding value.

Ocean freight @**USD, Marine Insurance @ **% to **%, Bank charges@**%, Port expenses @**%, handling charges@**% and commission @**% is reduced for working out the Net Export Price.

Accordingly, the proposed export price determined by the Authority in respect of the subject countries for Steel Tapes and Fibre Glass Tapes is as indicated in the dumping margin table below.

Dumping Margin

27. Considering the normal value and export price as determined above, the proposed dumping margin has been determined as follows. It is seen that the dumping margins are more than de minimis and significant.

Dumping Margin

Dumping Margin	Steel tapes				
Country	Unit	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malaysia
Constructed Normal Value	US\$/kg	***	***	***	***
Export Price	US\$/kg	***	***	***	***
Dumping Margin	US\$/kg	***	***	***	***
Dumping Margin %	%	***	***	***	***
DM % Range		230-240	250-260	200-210	180-190
Dumping Margin	Fibre Glass Tapes				
Country	Unit	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malaysia
Constructed Normal Value	US\$/kg	***	***	***	***
Export Price	US\$/kg	***	***	***	***
Dumping Margin	US\$/kg	***	***	***	***
Dumping Margin %	%	***	***	***	***
DM % Range		270-280	500-510	80-90	245-255

METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions by the Domestic Industry

28. The Domestic Industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:
- a) Imports of the product under consideration increased significantly in absolute terms.
 - b) Imports in relation to production and consumption in India have increased over the injury period.
 - c) Market share of the subject countries has increased sharply over the injury period from 21% in 2011-12 to 42% in the POI which is almost the double in percentage. On the other hand, market share of domestic industry has declined from 33% in 2011-12 to 28% in the POI.
 - d) Imported goods have been undercutting the prices of the domestic industry. Price undercutting in respect of the product under consideration is significant from the subject countries.
 - e) The domestic industry has been forced to reduce the prices too steeply and too frequently.
 - f) Inventories with the domestic industry increased till 2013-14, but thereafter declined during the POI.
 - g) Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant throughout the injury period.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

29. No submissions have been made by any producer/exporter/other interested parties with regard to the injury and causal link.

Examination by the Authority

30. In consideration of the various submissions made by the domestic industry in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the injury on account of imports from the subject country.

31. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

32. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

33. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

34. For the purpose of injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s FMI Ltd., constituting domestic industry under the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:

Cumulative Assessment

35. Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a) *the margin of dumping established in relation to the imports from each country/ territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;*
- b) *Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.*

36. In the present case

- a) The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed above;
- b) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed above; and
- c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete inter se and with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that there is no submission made by any interested party disputing cumulative assessment in the present case.

37. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports from the subject countries.

a) Demand and Market Share

38. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below. It is noted that demand for the product under consideration has increased throughout the injury period and market share of subject countries has also increased throughout the injury period whereas the market share of other countries has declined. Market share of domestic industry has also declined.

Demand and Market Share in India

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Demand	MT	2,774	3,659	3,698	5,082
Subject Countries - Import	MT	678	1,159	1,292	2,159
Imports from Other Countries	MT	117	114	22	147
Sales of domestic industries	MT	1,057	1,267	1,312	1,467
Sales of Other Indian producers	MT	923	1,120	1,071	1,309
Sales of Indian producers	MT	1,979	2,387	2,384	2,776
Market share in Demand					0
Taiwan	%	4.70	11.96	8.89	18.25
Thailand	%	3.76	5.90	9.94	8.09
Vietnam	%	15.38	13.27	14.99	14.59
Malaysia	%	0.60	0.53	1.13	1.56
Subject Countries	%	24.44	31.66	34.94	42.49
Other Countries	%	4.22	3.12	0.56	2.88
Sales of domestic industry	%	38.09	34.61	35.49	28.87
Sales of Other Indian producer	%	33.25	30.61	28.98	25.75

*POI – April 2014 - March 2015

b) Import volumes and market shares

39. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Imports					
Taiwan	MT	130	438	329	928
Thailand	MT	104	216	367	411
Vietnam	MT	427	486	554	741
Malaysian	MT	17	19	42	79
Subject Countries	MT	678	1,159	1,292	2,159
Country attracting ADD	MT	32	18	21	146
Other Countries	MT	85	96	1	1
Total Imports	MT	795	1,273	1,314	2,306

40. It is noted that volume of imports from subject countries as a whole has increased significantly in absolute terms. Total volume of imports from subject countries has increased more than twice since 2011-12.

Price Effect of the Dumped imports and impact on the Domestic Industry

41. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject countries have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of subject goods of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject countries. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury. Thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

a) Price Undercutting and Price Underselling

42. The price undercutting/underselling effects are examined below:

Steel Measuring Tapes (Taiwan)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	182.71	113.64	98.25	87.68
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	103	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	30-40	55-65	60-70	70-80

Fibre Glass Measuring Tapes (Taiwan)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	103.74	128.91	133.16	78.66
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	107	107	109
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	55-65	50-60	50-60	70-80

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass) Taiwan

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	108.88	128.09	113.87	87.55
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	104	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	55-65	55-65	55-65	70-80

Steel Measuring Tapes (Thailand)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	29.73	78.40	77.11	77.20
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	103	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	85-95	70-80	70-80	75-85

Fibre Glass Measuring Tapes (Thailand)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	67.65	88.49	151.26	45.80
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	107	107	109
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	75-85	70-80	50-60	80-90

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass) Thailand

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	45.63	80.93	81.41	73.67
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	104	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	80-90	70-80	70-80	70-80

Steel Measuring Tapes (Vietnam)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	63.65	87.25	107.45	90.01
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	103	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	70-80	70-80	60-70	70-80

Fibre Glass Measuring Tapes (Vietnam)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	96.61	118.21	120.92	140.24
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	107	107	109
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	55-65	60-70	60-70	50-60

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass) Vietnam

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	82.31	104.24	112.31	90.54
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	104	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	70-80	60-70	60-70	65-75

Steel Measuring Tapes (Malasiya)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	37.82	732.68	98.34	107.90
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	103	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	80-90	140-150	60-70	60-70

Fibre Glass Measuring Tapes (Malasiya)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	47.72	115.73	76.40	37.81
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	107	107	109
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	80-90	60-70	70-80	80-90

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass (Malasiya)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	46.46	115.82	88.18	60.45
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	104	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	80-90	60-70	70-80	75-85

Steel Measuring Tapes (Subject Countries)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	57.99	85.55	92.19	83.19
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	103	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	75-85	70-80	65-75	65-75

Fibre Glass Measuring Tapes (Subject Countries)

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	92.16	116.92	121.00	51.81
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	107	107	109
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	60-70	60-70	55-65	80-90

Measuring Tapes (Steel and Fibre Glass) Subject countries

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Landed Price	Rs./KG	78.68	103.56	99.46	81.39
Selling Price of DI	Rs./KG	***	***	***	***
Trend		100	104	106	108
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range%	70-80	55-65	70-80	70-80

Price Underselling

Injury Margin	Steel tapes				
Country	Units	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malasiya
NIP	Rs /Kg	***	***	***	***
Landed Price	Rs /Kg	87.68	77.20	90.01	107.90
Price underselling	Rs /Kg	***	***	***	***
Price underselling	%	***	***	***	***
Price underselling	Range%	220-230	260-270	210-220	160-170
Injury Margin	Fiber tapes				
Country	Units	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malaysia
NIP	Rs /Kg	***	***	***	***
Landed Price	Rs /Kg	78.66	45.80	140.24	37.81
Price underselling	Rs /Kg	***	***	***	***
Price underselling	%	***	***	***	***
Price underselling	Range%	220-230	455-465	80-90	570-580

43. The Authority notes that, the landed price of imports is far below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting. Further, the landed price of imports is substantially lower than the non-injurious price of the domestic industry, thereby, resulting in significant price underselling effect.

b) Price Suppression and Depression

44. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization of the domestic industry has been compared with the cost of sales. The given data shows that whereas both the cost of sales and the selling price of domestic industry increased over the injury period, the increase in selling price was lower than the increase in the cost of Sales, signifying existence of price suppression effect. The applicant has claimed that the cost increased as a result of increase in input cost and the domestic industry was unable to increase its prices in proportion to increase in cost due to effect of dumped imports .

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	111	114	117
Selling price	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	104	106	108
Landed Price	Rs./Kg	87	115	110	90
Indexed	Trend	100	132	126	103

Impact on Economic Parameters of the Domestic Industry

45. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments etc. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

46. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry is as under.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 POI
Capacity	MT	2,400	2,400	2,400	2,400
Production	MT	1,235	1,521	1,412	1,681
Capacity Utilization	%	51%	63%	58.85%	70%
Domestic	MT	***	***	***	***
Exports	MT	***	***	***	***
Total Sales	MT	1,243	1,468	1,460	1,676

47. The Authority notes that there is no change in the capacity of the domestic industry over the injury period. However, the domestic industry continued to face under-utilized capacities throughout the injury period.

b) Market Share

It is noted that the market share of subject countries has also increased throughout the injury period whereas the market share of other countries including countries which are attracting Anti-dumping duty has declined. Market share of domestic industry has increased till 2013-14 and thereafter it declined sharply.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Subject Countries	%	24.44	31.66	34.94	42.49
Other Countries	%	4.22	3.12	0.56	2.88
Sales of domestic industry	%	38.09	34.61	35.49	28.87
Sales of Other Indian producer	%	33.25	30.61	28.98	25.75

c) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

48. The profits, return on investment and cash profit of the domestic industry have been examined as under:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Profit/(Loss) per unit	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	31	26	17
Profit/(Loss) - total	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	37	32	23
Depreciation	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	111	145	129
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	50	52	42
Return on Capital Employed-NFA	%	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	40	23	20

49. The Authority notes from the above as under:

- i) Profit per unit and cash profits have declined significantly over the injury period.
- ii) The return on capital employed has also seen a severe decline over the injury period and is only 7% in the POI.
- iii) The severe decline in profitability is due to the fact that domestic industry is unable to increase selling prices in proportion to increase in cost of sales. Resultantly, the domestic industry has incurred negligible profits in the POI.
- iv) The domestic industry is forced to keep selling prices disproportionately low due to presence of dumped subject imports in the market.
- v) This decline in profitability is despite increase in production and sales volumes of domestic industry.
- vi) It shows that the increase in production and sales volumes is only because domestic industry tried to combat the price injury they were suffering by increasing sales, even if they were selling at suppressed prices.
- vii) Thus, it is apparent that the domestic industry has been able to maintain sales volume and market share only by accepting decline in profitability.
- viii) The landed price of subject imports has been below the cost of sales and net sales realization of the domestic industry throughout the injury period.

d) Employment and Wages

50. The employment and wages have increased over the injury period as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Employment	Nos.	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	112	111	115
Wages	Rs. (Lacs)	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	158	143	180

e) Productivity

36. The productivity of the domestic industry is given in the following table.

Description	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Productivity Per Employee	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	110	103	119
Productivity Per Day	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	129	114	136

51. The Authority notes that the productivity per employee and productivity per day have increased up to 2012-13 and then declined in the POI in lines with the trend of production over the period.

f) Inventories

52. The Authority has examined the inventory level of the domestic industry which is given in the following table.

Description	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Average Stock	MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	189	199	115

53. It is noted from the above table that the inventory with the domestic industry has increased substantially over the injury period.

g) Magnitude of Dumping

54. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined by the Authority against the subject countries is above *de minimis* and significant.

h) Ability to raise capital

55. The applicant has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, any fresh investment is not envisaged.

i) Growth

56. The domestic industry has registered a negative growth in terms of Selling price, Profitability and Return on Investment. Domestic Industry claimed that in order to reduce losses they are forced to produce more to reduce cost of production. Due to proportionately higher increase in cost of production compared to sales price, the profitability growth became negative during the entire period of Investigation. The major growth parameters are shown in the table below:-

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Production	%		23.13	(7.12)	19.05
Capacity utilization	%		0.22	(0.07)	0.19
Sales volume	%		19.85	3.63	11.81
cost of sales	%		11.38	2.47	2.61
Selling price	%		4.23	2.00	1.77
Profit./loss	%		(69.18)	(15.53)	(35.92)
ROI	%		(0.60)	(0.44)	(0.03)
Market	%		(3.48)	0.88	(6.62)

j) Factors Affecting Domestic Prices

57. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that, the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price

undercutting as well as price underselling, in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase over the injury period, and, therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the lower landed value of subject goods from the subject countries and other dumping countries.

Other Known Factors and Causal Link

58. The Authority has examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

(a) Volume and Prices of imports not sold at dumped prices

59. It is noted that imports of product under consideration from other countries are either negligible in terms of volume or are attracting Anti-dumping duties.

(b) Contraction in demand and / or change in the pattern of consumption

60.. The Authority notes that, the demand of the product under consideration has shown positive growth. Contraction in demand is not a possible reason, which could have contributed to injury to the domestic industry. Further, the Authority has found no evidence of a change in the pattern of consumption of the product.

(c) Trade restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

61. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Further there is no perceptible competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy, which could have been a cause of injury to the domestic industry. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(d) Developments in Technology

62. The Authority notes that there are no developments in technology with respect to the product or its manufacture that could have resulted in the injury caused to the domestic industry.

(e) Export performance

63. The Authority notes that the domestic industry does export the product. However, information relating to injury has been examined separately for domestic operations to the extent possible. Any deterioration in the export performance of the domestic industry is, therefore, not a possible cause of the injury determined.

(f) Productivity of the domestic industry

64. The Authority notes that productivity of the domestic industry has increased in accordance with the increase in production. Hence, a decline in productivity cannot be a cause for the injury determined.

(f) Performance of other products

65. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry is not a possible cause of the injury found, since all parameters were examined with respect to the like article in this investigation.

66. The Authority notes that while the known other factors listed above do not appear to have caused the injury determined, the following parameters show that injury to the domestic industry is likely from dumped imports from the subject countries.

a)The imports of the subject goods from the subject countries were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

- b) The domestic industry was prevented from increasing its prices. The price suppression suffered by the domestic industry is because of dumping of the product by the subject countries.
- c) The domestic industry is forced to sell at prices even below the cost of production which is resulting into significant financial losses. The price suppression caused by the imports thus results in financial losses in the POI.
- d) Performance of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments is negative as a result of price suppression and price undercutting. Thus, dumping of the product has led to deterioration in performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow and return on investments.
- e) Despite imposition of Anti-dumping duty on other countries, the domestic industry is incurring losses in the POI because of the presence of dumped imports from the subject countries

Conclusion on Injury and Causation

67. The Authority notes that the volume of dumped imports from the subject countries has increased. Production and sales of the domestic industry have declined progressively. Profit-related parameters have all been shown significant deterioration over the injury period. Profits, cash flow and return on investment have declined significantly. Inventories have increased substantially in the period of investigation. The Authority notes that the domestic industry has suffered injury due to dumped imports.

Magnitude of injury and injury margin

68. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry, taking into consideration the cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the subject imports from the subject countries to determine injury margin. The injury margin has been worked out as follows:

Injury Margin Table

Injury Margin	Steel tapes				
Country	Unit	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malaysia
NIP	Rs./kg	***	***	***	***
Landed value	Rs./kg	***	***	***	***
Injury Margin	Rs./kg	***	***	***	***
Injury Margin %	%	***	***	***	***
IM Range		215-225	260-270	210-220	155-165

Injury Margin	Fibre Glass Tapes				
Country	Unit	Taiwan	Thailand	Vietnam	Malaysia
NIP	Rs./kg	***	***	***	***
Landed value	Rs./kg	***	***	***	***
Injury Margin	Rs./kg	***	***	***	***
Injury Margin %	%	***	***	***	***
IM Range		220-230	450-460	80-90	570-580

69. It is evident from the above Table that the level of injury margin is significantly higher.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

70. The purpose of Anti-dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of Anti-dumping duties might affect the price levels of the

products manufactured by using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the Anti-dumping measures. On the contrary, imposition of Anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of Anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties

71. None of the exporters/importers/users and other opposing interested parties has made any post Disclosure Statement submissions.

Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry

72. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- a. The product under consideration in the present petition is Measuring Tapes. The product under consideration is classified under a number of sub-headings Chapter 90 of the Customs Tariff Act, 1975; and the customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. Therefore, the Designated Authority may kindly specify in duty table that the product under consideration should attract duty regardless of these grades/ concentrations/ purity levels used by the importers. Further, since the product under consideration does not have dedicated customs code, the authority may kindly specify in duty table that the customs classification is indicative only.
- b. The information on record clearly establishes that the production of the petitioner constitutes a major proportion in total Indian production.
- c. There has been a significant increase in the dumped imports, both in absolute terms and relative to production or consumption in India.
- d. The effect of dumped imports was to suppress prices to a significant degree and prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, thus, causing significant losses to the domestic industry.
- e. Consequent impact of the dumped imports on the domestic industry was adverse as established by collective and cumulative assessment of various relevant economic factors and indices. Growth of the domestic industry is adverse in terms of a number of parameters.
- f. Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of inventories, market share, profits, return on investments and cash flow.
- g. Though production and sale volumes of the domestic industry have increased, yet the domestic industry continued to face under-utilized capacities throughout the injury period.
- h. The factors affecting the prices of the domestic industry are import prices from the dumped sources. Thus, the price suppression is due to dumping of the product in the market.
- i. Dumping margin is significant and positive in case of each of the subject countries.

- j. Petitioner notes that the Authority has proposed to determine the normal value on the basis of best information available as none of the producers from the subject countries have responded.
- k. The domestic industry has suffered material injury as a result of dumping from the subject countries. Imposition of definitive Anti-dumping duty is necessary to combat injury being suffered by the domestic industry. Duty may be recommended on fixed amount basis in US\$ term.

Examination by the Authority

73. The Authority has reached to the conclusion that the above arguments of the domestic industry are repetitive and have already been dealt with by the Authority in the Disclosure Statement earlier and have also been dealt with again in the Final Findings Notification under appropriate headings.

CONCLUSION

74. The Authority notes that none of exporters from subject countries and importers/users and other opposing interested parties in India participated in the investigation, i.e., they neither submitted post initiation responses nor participated in the Oral Hearing or made any post Disclosure Statement submissions. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority and on the basis of above analysis of injury and post Disclosure Statement submissions made by the Domestic Industry, the Authority concludes that:

- a. There is dumping of the product under consideration from subject countries.
- b. Dumped imports are causing injury to the domestic industry.

RECOMMENDATION

75. Having concluded as above, the Authority is of the view that the Anti-dumping measure is required to be recommended to offset dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries and its consequential injury to the domestic industry.
76. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, by the Central Government.

DUTY TABLE

S. No	Heading/Subheading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
1.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Malaysia	Malaysia	Any	Any	2.60	Kg	US\$
2.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Malaysia	Any	Any	Any	2.60	Kg	US\$
3.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Any	Malaysia	Any	Any	2.60	Kg	US\$
4.	90171000, 90173010, 90173029,	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Malaysia	Malaysia	Any	Any	2.79	Kg	US\$

	90178010, 90178090									
5.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Malaysia	Any	Any	Any	2.79	Kg	US\$
6.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Any	Malaysia	Any	Any	2.79	Kg	US\$
7.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Taiwan	Taiwan	Any	Any	2.84	Kg	US\$
8.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Taiwan	Any	Any	Any	2.84	Kg	US\$
9.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Any	Taiwan	Any	Any	2.84	Kg	US\$
10.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Taiwan	Taiwan	Any	Any	2.86	Kg	US\$
11.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Taiwan	Any	Any	Any	2.86	Kg	US\$
12.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass tapes	Any	Taiwan	Any	Any	2.86	Kg	US\$
13.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel tapes	Thailand	Thailand	Any	Any	2.96	Kg	US\$
14.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Thailand	Any	Any	Any	2.96	KG	US\$
15.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Any	Thailand	Any	Any	2.96	Kg	US\$
16.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Thailand	Thailand	Any	Any	3.27	Kg	US\$
17.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre glass Tapes	Thailand	Any	Any	Any	3.27	Kg	US\$
18.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Any	Thailand	Any	Any	3.27	Kg	US\$
19.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Vietnam	Vietnam	Any	Any	2.77	Kg	US\$

20.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Vietnam	Any	Any	Any	2.77	Kg	US\$
21.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Steel Tapes	Any	Vietnam	Any	Any	2.77	Kg	US\$
22.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Vietnam	Vietnam	Any	Any	1.87	Kg	US\$
23.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Vietnam	Any	Any	Any	1.87	Kg	US\$
24.	90171000, 90173010, 90173029, 90178010, 90178090	Measuring Tapes	Fibre Glass Tapes	Any	Vietnam	Any	Any	1.87	Kg	US\$

77. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

78. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

A.K. BHALLA, Designated Authority